Madhya Pradesh Wakf Board goes On-line

On Monday, the October 3, 2011, **Shri Ajay Vishnoi, Hon'ble Minister,** Animal husbandry, Fisheries, Backward & Minority Welfare, Unconventional Energy department, Govt. of Madhya Pradesh inaugurated the CCF and took demonstration of WAMSI Application particularly Registration Module and Digitization Module for Waqf Properties Transactions and preservation of Waqf Properties Archived Documents respectively.

The Hon'ble Minister alongwith Shri Anil Shrivastava, IAS, Principal Secretary, Govt. of Madhya Pradesh, Shri Raghuweer Shrivastava, the Commissioner of Minority Welfare and Backward Classes and Senior Officers of MP SWB alongwith NIC Officers reviewed the MPWB Computerization Project and discussed the future plans regarding the completion of the remaining work in a short span of time in an efficient manner. Mr. Akmal Yazdani, the ICT Incharge, M.P. Waqf Board delivered the Welcome speech and introduced with the Project of Waqf Record Computerization under the aegis of Ministry of Minority Affairs New Delhi.

The dignities present at the inaugural program were :

1. Shri Ajay Vishnoi, Minister, Animal husbandry, Fisheries, Backward & Minority Welfare, Unconventional Energy department.
2. Shri Ghufran Azam, Chairman Madhya Pradesh, SWB(Ex. Member of Parliament-Lak Sabha & Rajya Sabha) Presently holding the State Cabinet Member Status.
3. Shri Anil Shrivastava, IAS, Principal Secretary, Department of Ministries Welfare and Backward Classes, Govt. of Madhya Pradesh.
4. Shri Raghveer Shrivastava, IAS, Commissioner, Department of Minorities Welfare and Backward Classes.
5. Shri Agha Abdul Qayyum, the Vice Chairman of Bhopal Development Authority, Bhopal.
6. Shri Arif Aqueel, MLA, and Member of MP SWB
7. Shri Amir Bux, CEO(Retired) Madhya Pradesh State Waqf Board, Bhopal.
8. Shri C.N. Rao, Sr. Technical Director, E-Governess, Group-A, NIC, Vindhiyachal Bhawan, Bhopal.
9. Shri. Sanjay Kumar Joshi, Principal Systems Analyst, NIC Madhya Pradesh State Unit Centre, Vindhyachal Bhawan Bhopal.

Shri Ajay Vishnoi during his Madhya Pradesh WB visit appreciated the efforts of Ministry of Minority Affairs and NIC-PMU(Waqf) and MPSWB to establish the CCF in record time and entered 13000 Records in the Registration Module and also digitized all Records pertaining to Waqf Estates. There are total 14,672 Waqf Estates registered in MP SWB and each Waqf Estate has one or more Waqf Properties.

Waqf Project Summary: Waqf Project is being implemented simultaneously at all 30 State/UT Waqf Boards across India. Phase-I of Waqf Project is of 3 Years duration and covers WAMSI Waqf Property Registration, Waqf Property Annual Returns, Waqf Property Leasing, Waqf Property Litigation Tracking and Digitization of Waqf Property Archived Documents. CCFs are being set-up at all State/UT Waqf Boards with their Estimated Costs being disbursed directly from MoMA while Over-all Project Development & its Management is being done by NIC i.e., WAMSI Application Development, Hosting & Change Management, Setting-up PMUs (One at NIC and other at MoMA), Scanning of Archived Documents at SWBs, Deployment of Technical Manpower at SWB-CCFs for first year, Application Training, etc. Estimated Cost of these activities has already been transferred to NICSI. Project is sailing smoothly as of now. Complete details are available on Project Website http://waqf.gov.in/.

Photo graphs of the inaugural ceremony

Hon'ble Minister Shri Ajay Vishnoi with Chairman Shri Ghufran Azam while inaugurating the C.C.F. & I.T.Cell of M.P. SWB

Hon'ble Minister Shri Ajay Vishnoi addressing the Print and Electronic Media on Waqf Matters

Hon'ble Minister Shri Ajay Vishnoi talking to Shri Ghufran Azam, the Chaiman MPSWB, Shri Saeedur Rahman, Member WB and Waqf Board empanelled advocates on Waqf Matters inside the CCF Room

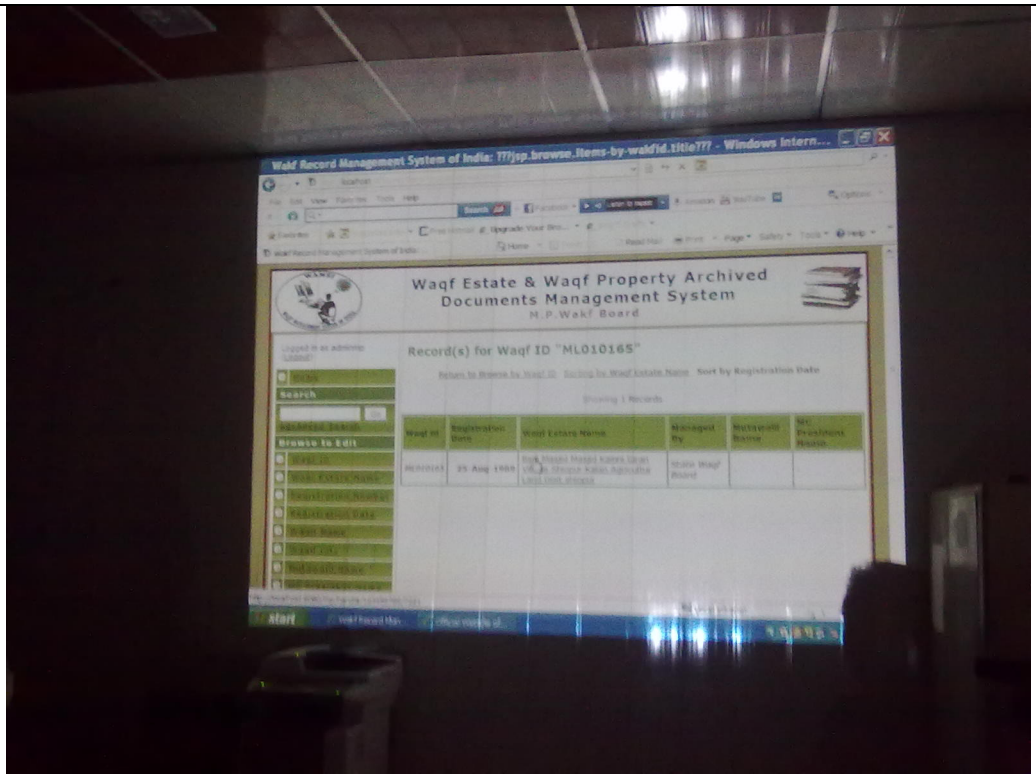

The Demonstration of WAMSI-DMS was taken by the Waqf Minister Shri Ajay Vishnoi

The Official Website of MPSWB i.e. www.mpwaqfboard.org was launched by the Waqf Minister Shri Ajay Vishnoi.

Mr. Akmal Yazdani, the ICT Incharge MP SWB is introducing the dignities with the Waqf Record Computerization Project under the aegis of MoMA and NIC-PMU(Waqf)

News paper Cuttings covering the Event

A huge audience gathered at the inaugural ceremony of I.T.Cell & C.C.F. of M.P.SWB

Hon'ble Minister is being welcome by Janab Arif Aqueel Sahab, the MLA and Member Board.

विभाग को सौंपा गया है।

वक्फ संपत्तियां अब वेबसाइट पर

मुसं, भोपाल। अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री अजय विश्नोई ने कहा है कि सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) का उपयोग कर मध्यप्रदेश वक्फ बोर्ड देश के अन्य राज्यों के लिए रोल मॉडल बन चुका है। उन्होंने यह जानकारी आज मध्यप्रदेश वक्फ बोर्ड के आई.टी. सेल एवं वेबसाइट का शुभारंभ के अवसर पर दी। उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश वक्फ बोर्ड में मस्जिद, कब्रिस्तान, दरगाह आदि के रूप में 14 हजार 672 वक्फ सम्पतियां हैं। इसका ब्यौरा विभाग की वेबसाइट पर जारी किया गया है।

पीपुल्स समाचार
4-10-2011

वक्फ बोर्ड देश के लिए बना रोल मॉड

मुख्य प्रतिनिधि, भोपाल

अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री अजय विश्नोई ने कहा है कि सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग कर मध्यप्रदेश वक्फ बोर्ड देश के अन्य राज्यों के लिये रोल मॉडल बन चुका है। श्री विश्नोई ने यह जानकारी आज वक्फ बोर्ड के आईटी सेल एवं वेबसाइट का शुभारंभ के अवसर पर दी। कार्यक्रम में वक्फ बोर्ड के चेयरमेन गुफराने आज़म, विधायक आरिफ अकील, बोर्ड के सदस्य उपस्थित थे।

• विश्नोई ने किया वेबसाइट का शुभारंभ

श्री विश्नोई ने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि डेढ़ वर्ष पूर्व हुई पहल एवं निर्देशों के बाद वक्फ बोर्ड के अभिलेखों के कम्प्यूटरीकरण की कार्यवाही की गई है। भारत सरकार ने देश के समस्त वक्फ बोर्डों को कम्प्यूटराईज्ड किये जाने का निर्णय लिया था, जिसमें मध्यप्रदेश ने सबसे पहले यह कार्य किया है। मध्यप्रदेश वक्फ बोर्ड में मस्जिद, कब्रिस्तान, दरगाह आदि के रूप में 14 हजार 672 वक्फ संपत्तियां हैं, जिसके अंतर्गत लाखों की संख्या में मकान, दुकानें, कृषि भूमि आदि संचालित हो रहे हैं। आज से लांच हुई वक्फ बोर्ड की वेबसाइट पर वक्फ सम्पत्तियों का विवरण भी दर्ज किया गया है। श्री विश्नोई ने वक्फ सम्पत्तियों के मामले में राजस्व अभिलेखों में सुधार

की बात पर कहा कि इस [illegible]
विधिक प्रावधानों के [illegible]
कार्यवाही की जाना चाहि[illegible]
जिले में बोर्ड अपने अधि[illegible]
की नियुक्ति करे, जो वक्फ सम्पत्तियों के [illegible]
मामलों के निराकरण के लिये राजस्व अधिका[illegible]
समक्ष पहल कर सके। श्री गुफ़राने आज़म [illegible]
विश्नोई का ध्यान बोर्ड के अमले की कमी [illegible]
दिलाया तथा शासकीय अभिलेखों में वक्फ स[illegible]
के स्पष्ट उल्लेख की मांग रखी। इस अवसर प[illegible]
काज़ी फाजिल कासमी, सदस्य हमीद काज़ी,
विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष कय्यूम
मसाजिद कमेटी के हकीम कुरैशी, प्रमुख
अल्प-संख्यक कल्याण अनिल श्रीवास्तव,
रघुवीर श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में वक्फ [illegible]
हज कमेटी, मसाजिद कमेटी, मदरसा [illegible]
पदाधिकारी व सदस्यगण तथा नागरिक मौजूद

जागरण - 4-10-2011

पत्रिका - 4-10-11

गोल्डन भोपाल

उद्घाटन | वक्फ बोर्ड ऑनलाइन, अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री विश्नोई की शासकीय अतिक्रमण पर अनभिज्ञता

'कानूनी रास्ता अपनाएं'

भोपाल

cityreporter.bhopal@patrika.com

वक्फ बोर्ड अपनी संपत्ति की हिफाजत के लिए कानूनी रास्ता अपनाए। अगर रिकार्ड में वक्फ संपत्ति सरकारी दर्ज है तो वकीलों की मदद से हर जिले में राजस्व प्रक्रिया अपनाए, तभी उसे सफलता मिल सकती है।

यह बात अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री अजय विश्नोई ने कही। वे मप्र वक्फ बोर्ड के कम्प्यूटराइजेशन सिस्टम के उद्घाटन अवसर पर आयोजित समारोह में बोल रहे थे। बोर्ड कार्यालय परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम से पूर्व वक्फ बोर्ड अध्यक्ष गुफरान ए आजम ने विश्नोई, अल्पसंख्यक कल्याण प्रमुख सचिव अनिल श्रीवास्तव, आयुक्त रघुवीर श्रीवास्तव को वेबसाइट की जानकारी दी। वेबसाइट की डिजाइन और कार्यशैली अकमल यजदानी ने पेश की। इस आयोजन में विधायक आरिफ अकील, बोर्ड सदस्य सईद उर रहमान, रियाज खान, हमीद काजी, हज कमेटी अध्यक्ष सनव्वर पटेल आदि मौजूद थे। विश्नोई ने आगाह किया कि बोर्ड हर संपत्ति पर अपनी कमेटियों के माध्यम से जानकारी ले, उसकी सूचना की तस्दीक करे। गूगल अर्थ के माध्यम से संपत्ति की ताजा स्थिति पर निगाह रखे। तभी ऑनलाइन प्रक्रिया का लाभ और विकास हो पाएगा। उन्होंने कहा कि हर जिले में सर्वे आयुक्त या प्रभारी के लिए सरकार प्रयासरत है। इससे वक्फ माफिया पकड़ में आएगा। उसे जनता के सामने अपमानित होना पड़ेगा, यही बेहतर तरीका है।

समारोह मप्र वक्फ बोर्ड के कम्प्यूटराइजेशन के उद्घाटन अवसर पर मंत्री अजय विश्नोई, अध्यक्ष गुफरान ए आजम व अन्य।

संविधान से ऊपर कुछ नहीं

विश्नोई ने वक्फ बोर्ड में कर्मचारियों की कमी पर कहा, संविधान से ऊपर कुछ नहीं है। संविधान में आरक्षण का प्रावधान है। इससे उर्दू जानने वाले नहीं मिल पाएंगे। वक्फ बोर्ड बीच का रास्ता निकालकर सामान्य श्रेणी की भर्ती कर ले। इससे कुछ राहत मिल जाएगी।

दैनिक भास्कर - 5 सितम्बर

जिलों में वक्फ बोर्ड करेगा वकीलों की नियुक्ति

▪ माफिया से वक्फ संपत्ति को बचाने के लिए बोर्ड ने उठाया कदम

नसं. भोपाल। मप्र वक्फ बोर्ड अपनी वक्फ संपत्तियों के लंबित मामलों का राजस्व न्यायालयों से निराकरण कराने के लिए सभी जिलों में वकीलों की नियुक्ति करेगा। आईटी सेल, सर्वे वक्फ कमिश्नर और वकीलों के जरिए वक्फ माफिया से भी संपत्ति को बचाने में मदद मिलेगी।

यह जानकारी अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री अजय विश्नोई ने दी। वे सोमवार को बोर्ड के दफ्तर में आईटी सेल व वेबसाइट के शुभारंभ अवसर पर बोल रहे थे। अध्यक्षता कर रहे बोर्ड अध्यक्ष गुफराने आजम ने विश्नोई का ध्यान आकर्षित कराया कि भोपाल समेत कई स्थानों पर शासकीय अभिलेखों में वक्फ संपत्तियों का स्पष्ट उल्लेख नहीं है। वहां वक्फ संपत्ति को शासकीय होना इंद्राज किया गया है। श्री विश्नोई ने बताया कि मप्र वक्फ बोर्ड के अभिलेखों के कम्प्यूटरीकरण की कार्रवाई शुरू हो चुकी है। बोर्ड ने देश में यह काम सबसे पहले कर दिखाया। बोर्ड की वेबसाइट पर इन संपत्तियों की जानकारी उपलब्ध रहेगी। बोर्ड की सालाना आय 39 लाख से बढ़कर एक करोड़ हो गई है। श्री आजम ने बताया कि भोपाल समेत कई स्थानों से वक्फ की संपत्ति पर से अवैध कब्जे हटाने की कार्रवाई की जा रही है। आईटी सेल प्रभारी अकमल यजदानी, शहर काजी सै. फाजिल कासमी, विधायक आरिफ अकील, सदस्य हमीद काजी, काजी सईदुर्रहमान आदि मौजूद थे।

नव दुनिया - 5-10-11

nia.com | www.webdunia.com

आईटी सेल बनाने वाला देश का पहला वक्फ बोर्ड

भोपाल(नप्र)। मध्यप्रदेश वक्फ बोर्ड अपने रिकॉर्डों को कम्प्यूटराइज्ड करने वाला देश का पहला वक्फ बोर्ड बन गया है। सोमवार को अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री अजय विश्नोई ने वक्फ बोर्ड कार्यालय में आईटी सेल और बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट का उद्घाटन किया। वेबसाइट पर प्रदेश में वक्फ बोर्ड की 14 हजार सम्पत्तियों का रिकॉर्ड दर्ज किया गया है। अब एक क्लिक पर प्रदेश के हर हिस्से में फैली वक्फ जायदादों की जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

केन्द्र सरकार ने देश के सभी वक्फ बोर्डों को कम्प्यूटराइज्ड करने का निर्णय लिया था। इसके लिए मध्यप्रदेश वक्फ बोर्ड को सेन्ट्रल वक्फ काउंसिल की ओर से 27 लाख रुपये की राशि प्राप्त हुई थी। करीब डेढ़ वर्ष पूर्व वक्फ बोर्ड के कम्प्यूटरीकरण की शुरुआत हुई। मप्र वक्फ बोर्ड अब देश का पहला ऐसा वक्फ बोर्ड बन गया है, जिसने सबसे पहले अपना रिकॉर्ड कम्प्यूटराइज्ड किया है। बोर्ड की साइट www.mpwaqfboard.org पर सम्पत्तियों की जानकारी ली जा सकती है। अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री अजय विश्नोई ने बोर्ड के इस कार्य पर प्रसन्नता व्यक्त की।

HINDUSTAN TIMES, BHOPAL
TUESDAY, OCTOBER 04, 2011

Principal Secretary, Revenue, Rehabilitation & Religious Trusts

WAQF BOARD INAUGURATES ITS WEBSITE

HT Correspondent
editorbhopal@hindustantimes.com

BHOPAL: Minority welfare minister Ajay Vishnoi on Monday inaugurated HT Cell and website of Madhya Pradesh State Waqf Board. The official website www.mpwaqfboard.org contains details of 14,672 waqf properties including mosques, graveyards, durgahs and other immovable assets.

Addressing the function, Vishnoi said that the state government started proceedings to appoint waqf commissioner in every district. He also asked the board to appoint advocates in each district to facilitate speedy disposal of pending cases over waqf properties. Chairman of the board Ghufran Azam, Congress MLA Arif Aqueel and members of the board were also present on the occasion.

THE OFFICIAL WEBSITE WWW.MPWAQFBOARD.ORG CONTAINS DETAILS OF 14,672 WAQF PROPERTIES.

Daily **NADEEM** Bhopal بیادگارِ حکیم سیّد قمرُالحَسَن صاحب مَرحوُمؒ दैनिक **नदीम** भोपाल

مدھیہ پردیش کا مقبول ترین اردو اخبار

روزنامہ **ندیم** بھوپال

جلد نمبر (76) ۴؍ اکتوبر ۲۰۱۱ء ۵ ذی قعدہ ۱۴۳۲ھ بروز منگل 4.10.2011 قیمت دو روپے Rs. 2.00 شمارہ نمبر (271)

آئی ٹی کے معاملے میں ایم پی وقف بورڈ ملک کیلئے رول ماڈل بنا

وزیر اقلیتی بہبود اجے وشنوئی کی ذریعہ بورڈ کی ویب سائٹ کا افتتاح

بھوپال۔۳؍ اکتوبر (سٹی رپورٹر): پردیش کے وزیر اقلیتی بہبود اجے وشنوئی نے آج کہا کہ انفارمیشن ٹکنالاجی (آئی ٹی) کا استعمال کر کے مدھیہ پردیش وقف بورڈ ملک کی دیگر ریاستوں کے لئے رول ماڈل بن چکا ہے۔ جناب وشنوئی نے یہ جانکاری مدھیہ پردیش وقف بورڈ کے آئی ٹی سیل اور ویب سائٹ کی افتتاحی تقریب میں دی۔ تقریب میں وقف بورڈ کے چیئرمین غفران اعظم، ایم ایل اے عارف عقیل، بورڈ کے ممبر اور دیگر معزز شہری موجود تھے۔ اجے وشنوئی نے اس بات پر خوشی ظاہر کی کہ ڈیڑھ سال پہلے ہوئی پہل اور ہدایات کے بعد وقف بورڈ کے ریکارڈ کے کمپیوٹرائزیشن کی کاروائی کی گئی۔ حکومت ہند نے ملک کے تمام وقف بورڈوں کو کمپیوٹرائزڈ کئے جانے کا فیصلہ لیا تھا جس میں مدھیہ پردیش نے سب سے پہلے یہ کام انجام دیا ہے۔ جناب وشنوئی نے وقف جائدادوں کے معاملے میں ریونیو ریکارڈ میں سدھار کی بات پر کہا کہ اس سمت میں قانونی پروویژنوں کے مطابق کاروائی کی جانا چاہیے۔ ہر ضلع میں بورڈ اپنے وکیلوں کی تعیناتی کرے جو وقف جائدادوں کے غلط اندراج میں سدھار کے لئے ریونیو افسروں کے سامنے پہل کر سکیں۔ انھوں نے بتایا کہ ہر ضلع میں سروے وقف کمشنر کی تقرری کی کاروائی بھی شروع کی جا چکی ہے۔ انھوں نے کہا کہ وقف بورڈ کی ویب سائٹ بن جانے سے اب جہاں لوگوں کو وقف جائدادوں کی جانکاری ملے گی وہیں دوسری جانب غیر قانونی طور سے قابض وقف مافیا سے بھی نجات کی کاروائی ہو سکے گی۔ انھوں نے بورڈ میں ملازمین کی نئی بھرتی سے متعلق تجویز کے بارے میں کہا کہ بعض آئینی پابندیوں کی وجہ سے ریز روزمرہ میں بھرتی کی منظوری دینا سرکار کے لئے مشکل ہے تاہم قانونی عمل کے تحت خالی عہدوں کو بھرا جا سکتا ہے۔ قبل ازیں پرنٹ اور الیکٹرانک میڈیا کے نمائندوں سے بات چیت کرتے ہوئے وزیر اقلیتی بہبود اجے وشنوئی نے اس بات سے واضح انکار کیا کہ پردیش میں کئی وقف جائدادیں سرکاری محکمات کے قبضے میں ہیں۔ انھوں نے کہا کہ اگر کوئی خصوصی معاملہ جانکاری میں لایا جاتا ہے تو اسے دیکھا جائے گا۔ تقریب میں آئی ٹی سیل کے انچارج اکمل یزدانی نے ویب سائٹ اور آئی ٹی سیل کے بارے میں تفصیلی جانکاری دی۔ بورڈ کے ممبر قاضی سعید الرحمٰن نے انعقاد پر روشنی ڈالی اور نظامت کے فرائض انجام دئے۔ اس موقع پر شہر قاضی سید محمد فاضل قاسمی، ممبر حمید قاضی، بی ڈی اے کے نائب صدر آغا قیوم، اسٹیٹ حج کمیٹی کے چیئرمین ڈاکٹر صنور پٹیل، مساجد کمیٹی کے صدر حکیم قریشی، پرنسپل سکریٹری برائے اقلیتی بہبود انل شریواستو، کمشنر رگھوویر شریواستو سمیت بڑی تعداد میں وقف بورڈ، حج کمیٹی، مساجد کمیٹی اور مدرسہ بورڈ کے ملازمین اور شہری موجود تھے۔ وقف بورڈ کی ویب سائٹ میں ضلع وار وقف جائدادوں کی تعداد، قبضہ جات کی صورتحال، بورڈ کی آمدنی، وقف ایکٹ، مرکز اور ریاستی سرکار اور بورڈ کی ہدایات، گزٹ نوٹیفکیشن وغیرہ تفصیلات دستیاب کرائی گئی ہیں۔

وزیر اقلیتی بہبود اجے وشنوئی وقف بورڈ میں آئی ٹی سیل کا افتتاح کرتے ہوئے